राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 1

''सत्ता की साझेदारी''

स्मरणीय बातें :-

1. बेल्जियम - यूरोप का एक छोटा-सा देश जो क्षेत्रफल में भारतीय राज्य हरियाणा से भी छोटा है।
2. बेल्जियम के पड़ोसी देश - फ्रांस, नीदरलैंड, जर्मनी और लक्समबर्ग।
3. बेल्जियम की आबादी - एक करोड़ से थोड़ी अधिक।
4. बेल्जियम की आबादी में विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों का प्रतिशत - डच 59 प्रतिशत, फ्रेंच - 40 प्रतिशत, जर्मन 1 प्रतिशत।
5. ब्रुसेल्स - बेल्जियम की राजधानी
6. एथनीक या जातीय - ऐसा सामाजिक विभाजन जिसमें हर समूह अपनी-अपनी संस्कृति को अलग मानता है। यह साझी संस्कृति पर आधारित सामाजिक विभाजन है।
7. श्रीलंका - तमिलनाडु के दक्षिणी तट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक द्विपीय देश।
8. श्रीलंका की जनसंख्या - लगभग 2 करोड़।
9. श्रीलंका की आबादी में विभिन्न जातीय समूहों का प्रतिशत - सिंहली -74 प्रतिशत, तमिल-18 प्रतिशत, ईसाई - 7 प्रतिशत, अन्य 1 प्रतिशत।
10. ईलम- यह तमिल भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है - सरकार।
11. सन् 1948 में श्रीलंका एक स्वतंत्र राष्ट्र बना।
12. सन् 1956 में सिंहली भाषा को एकमात्र राजभाषा घोषित किया गया।
13. बहुसंख्यकवाद- ऐसी मान्यता जिसमें यह समझा जाता है कि कोई बहुसंख्यक

समुदाय अपने मनचाहे ढंग से देश पर शासन कर सकता है और अल्पसंख्यक समुदाय की जरूरत या इच्छाओं की अवहेलना कर सकता है।

14. गृहयुद्ध - जब किसी देश में विभिन्न सरकार विरोधी गुट हिंसक लड़ाई में शामिल हो जाता है और युद्ध का रूप ले लेता है।

15. विभिन्न सामाजिक समूहों में सत्ता का विभाजन जिससे अधिक से अधिक लोग सत्ता में साझीदार बन सकें, सत्ता की साझेदारी कहते हैं।

16. युक्तिपरक - कोई भी फैसला जो नैतिकता के विपरीत, लाभ-हानि को ध्यान में रखकर लिया गया हो।

17. सत्ता का क्षैतिज वितरण - सत्ता को सरकार के विभिन्न अंगों जैसे - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में बांटना।

18. सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण - सत्ता को विभिन्न स्तर के सरकारों के मध्य बांटना। जैसे- केन्द्रीय सरकार, प्रांतीय सरकार, स्थानीय सरकार आदि।

19. सामुदायिक सरकार - विभिन्न धार्मिक, भाषायी और सामाजिक समूहों द्वारा अपने लिए चुनी हुई सरकार।

20. नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था - ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था जिसमें न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा होती है, परंतु न्यायपालिका ही कार्यपालिका पर और विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों पर अंकुश रखती है।

1 अंक वाले प्रश्न :-

1. 1970 और 1993 के बीच बेल्जियम के संविधान में कितनी बार संशोधन किए गए ?

2. श्रीलंका में सिंहली समुदाय की प्रभुता कायम करने के लिए किस प्रकार की सरकार का गठन किया गया है ?

3. बेल्जियम में किस जातीय समूह की आबादी सबसे अधिक है ?

4. श्रीलंका में सबसे अधिक संख्या किस सामाजिक समूह की है ?
5. बेल्जियम में मुख्य रूप से कौन सी दो भाषाएँ बोली जाती हैं ?
6. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
7. बेल्जियम में कौन सा अल्पसंख्यक वर्ग अमीर और शक्ति संपन्न है ?
8. बहुसंख्यकवाद के कारण कौन सा देश लंबे समय तक गृहयुद्ध की आग में झुलसता रहा ?
9. सत्ता की साझेदारी किस चीज में सर्वाधिक सहायक है ?
10. बेल्जियम में सामुदायिक सरकार का चुनाव किसके द्वारा किया जाता है ?
11. श्रीलंका में सिंहली भाषी लोगों का संबंध किस धर्म से है ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. चार बार
2. बहुसंख्यकवाद सरकार।
3. डच
4. सिंहली
5. डच और फ्रेंच
6. ब्रुसेल्स
7. फ्रेंच
8. श्रीलंका
9. संघर्ष को रोकने में
10. भाषा के आधार पर (डच, फ्रेंच और जर्मन बोलने वाले लोग)
11. बौद्ध धर्म से

3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए ?
2. बेल्जियम के समाज में विभिन्न भाषायी लोगों के बीच तनाव के क्या कारण थे ?
3. श्रीलंका में बहुसंख्याकवाद ने किस प्रकार सामाजिक तनाव को जन्म दिया ?
4. सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है ? तर्क दीजिए।
5. सामाजिक विविधताओं वाले शासन में सत्ता का बँटवारा किस प्रकार किया जा सकता है ?
6. श्रीलंका में पास हुए 1950 के कानून के अनुसार सिंहली लोगों के वर्चस्व के तीन प्रावधान लिखिए।
7. सत्ता के ऊर्ध्वाधर वितरण और क्षैतिज वितरण में अंतर स्पष्ट करें।
8. श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद तथा इसके प्रभावों का वर्णन करें।
9. बेल्जियम में सामाजिक विविधताओं से उत्पन्न समस्याओं का समाधान कैसे किया गया ?
10. विभिन्न दबाव समूह और राजनीतिक दल किस प्रकार सत्ता के बँटवारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ?
11. तमिल भाषी लोगों की क्या माँग है ?

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1) सत्ता का क्षैतिज वितरण - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका।
   2) सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण - केन्द्रीय सरकार, प्रांतीय सरकार और स्थानीय सरकार।

2. 1) बहुसंख्यक डच की अवहेलना

2) अल्पसंख्यक फ्रेंच का अधिक ताकतवर और समृद्ध होना।

3) आर्थिक विकास और शिक्षा का लाभ एक खास समुदाय तक सीमित रहना।

4) राजनीतिक सत्ता एक समुदाय विशेष में केंद्रित थी।

3. 1) बहुसंख्यकवाद के तहत सिंहलियों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया।

2) सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सिंहलियों का एकाधिकार।

3) सिंहली को एकमात्र राजभाषा का दर्जा।

4) तमिलों के हितों को दरकिनार करना।

5) तमिलों को राजनीतिक अधिकार से वंचित रखना।

4. 1) विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव को कम करना।

2) यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल है।

3) यह राजनीतिक अस्थिरता को कम करता है।

4) सत्ता में अधिक से अधिक लोगों को भागीदार बनाता है।

5. 1) विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे - भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच सत्ता का विभाजन।

2) सामाजिक रूप से पिछड़े हुए लोगों और महिलाओं को विधायिका में हिस्सेदारी देना।

3) अल्पसंख्यक समुदायों को आरक्षण देकर।

4) अत्यंत पिछड़े हुए वर्ग के लिए अलग से सरकारी नीतियां बनाना।

6. 1) सिंहली भाषा को श्रीलंका की राजकीय भाषा घोषित करना।

2) सिंहली लोगों को शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देना।

3) सिंहली लोगों को राजनैतिक प्रक्रिया में स्वतंत्र रूप से भाग लेने का अधिकार।

4) बौद्ध धर्म को पूजा अर्चना की पूर्ण स्वतंत्रता।

7. उर्ध्वाधर वितरण

★ इसके अंतर्गत सरकार के विभिन्न स्तरों में सत्ता का बँटवारा होता है।

★ इसमें उच्चतर तथा निम्नतर स्तर की सरकारें होती हैं।

★ इसमें निम्नतर अंग उच्चतर अंग के अधीन काम करते हैं।

क्षैतिज वितरण :-

★ इसके अंतर्गत सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता का बँटवारा होता है।

★ इसमें सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रहकर अपनी शक्ति का उपयोग करते है।

★ इसमें प्रत्येक अंग एक दूसरे पर नियंत्रण रखता है।

8. श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद :-

★ सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित करना।

★ विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता।

★ सरकार द्वारा बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा देना।

बहुसंख्यकवाद का प्रभाव :-

1) तमिलों की नाराजगी और शासन के प्रति बेगानेपन को बढ़ावा।

2) 1980 के दशक में उत्तर-पूर्वी श्रीलंका में स्वतंत्र तमिल ईलम बनाने की माँग।

3) सिंहली और तमिलों के बीच टकराव तथा गृहयुद्ध का जन्म।

4) गृहयुद्ध के कारण हजारों लोगों का मारा जाना तथा बेघर होना।

5) युद्ध के कारण देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में दुष्प्रभाव।

9. बेल्जियम में सामाजिक विविधताओं से उत्पन्न समस्याओं का समाधान :-

1) केंद्रीय सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मंत्रियों की समान संख्या।

2) केन्द्रीय सरकार की अनेक शक्तियों को क्षेत्रीय सरकारों को सौंपना

3) केन्द्रीय सरकार में दोनों समुदायों का समान प्रतिनिधित्व

4) सामुदायिक सरकार का गठन

5) क्षेत्रीय और सामुदायिक सरकारों को विभिन्न मामलों में निर्णय लेने की स्वतंत्रता।

10. 1) व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कई संगठित हित समूहों का सक्रिय होना।

2) हित समूह एवं दबाव समूह का सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करना।

3) सरकार के ऊपर दबाव बनाकर महत्वपूर्ण फैसले के लिए सरकार को बाध्य करना।

4) अपने-अपने वर्ग के हितों को बढ़ावा देना।

5) जनता की मुख्य समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना।

11. श्रीलंका में तमिल भाषी लोगों ने अपने राजनीतिक दलों के माध्यम से निम्नलिखित माँगें रखी हैं-

1) तमिल भाषा को राजभाषा बनाया जाए।

2) क्षेत्रिय स्वायत्तता दी जाए।

3) अन्य जातीय समूहों के समान शिक्षा तथा रोजगार की सुविधाएँ दी जाए।

4) 1980 के दशक में तमिल सरकार बनाने की माँग की थी।